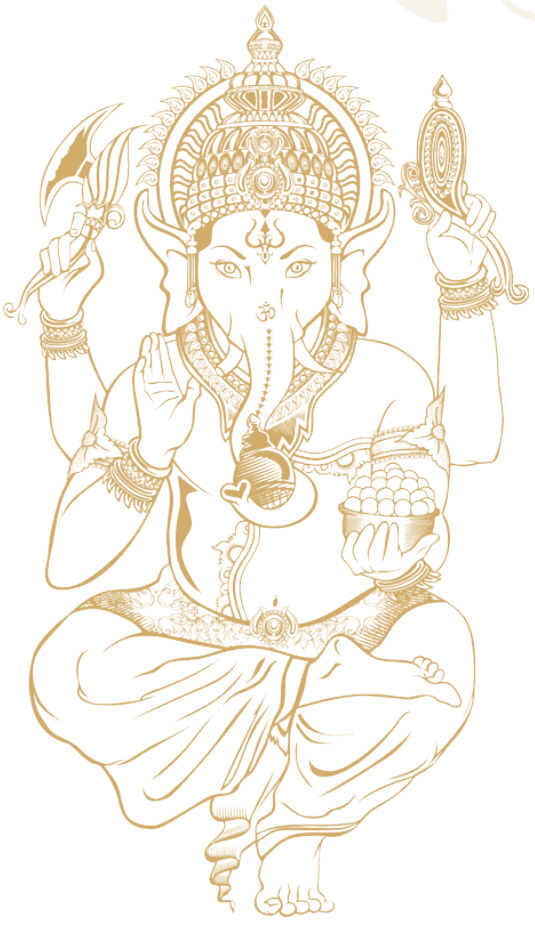

Mr.a

Ms.l

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119123001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119123001 Date: 17/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/12/1995	जन्म तिथि	17/02/2000
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 11:32:00	जन्म समय	21:10:00 घंटे
घटी 11:11:14	जन्म समय(घटी)	35:16:25 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Hamirpur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:38:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:30	सूर्योदय	07:04:37
17:19:45	सूर्यास्त	18:11:08
23:48:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:19

मकर	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मीन	राशि	कर्क
गुरु	राशि-स्वामी	चन्द्र
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	पुष्य
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
सिद्धि	योग	सौभाग्य
गर	करण	तैतिल
थ-थानसिंह	जन्म नामाक्षर	हे-हेमा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
गौ	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 11मा 5दि	20:12:17	मक	लग्न	कन्या	13:28:56	शनि 13वर्ष 8मा 16दि
केतु	14:45:38	वृश्चि	सूर्य	कुंभ	04:25:35	बुध
06/11/2023	08:59:46	मीन	चंद्र	कर्क	07:02:37	04/11/2013
05/11/2030	06:42:20	धनु	मंगल	मीन	10:24:51	04/11/2030
केतु 03/04/2024	19:14:16	वृश्चि	बुध	कुंभ	22:03:56	बुध 02/04/2016
शुक्र 03/06/2025	28:41:33	वृश्चि	गुरु	मेष	06:36:01	केतु 30/03/2017
सूर्य 09/10/2025	10:47:07	धनु	शुक्र	मक	05:28:25	शुक्र 29/01/2020
चन्द्र 10/05/2026	24:16:23	कुंभ	शनि	मेष	17:38:40	सूर्य 04/12/2020
मंगल 06/10/2026	01:59:27	तुला	राहु	कर्क	09:45:39	चन्द्र 06/05/2022
राहु 24/10/2027	01:59:27	मेष	केतु	मक	09:45:39	मंगल 03/05/2023
गुरु 29/09/2028	03:59:33	मक	हर्ष	मक	23:36:04	राहु 19/11/2025
शनि 08/11/2029	29:50:44	धनु	नेप	मक	11:05:27	गुरु 25/02/2028
बुध 05/11/2030	07:00:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:50:29	शनि 04/11/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:06 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:19

लग्न-चलित

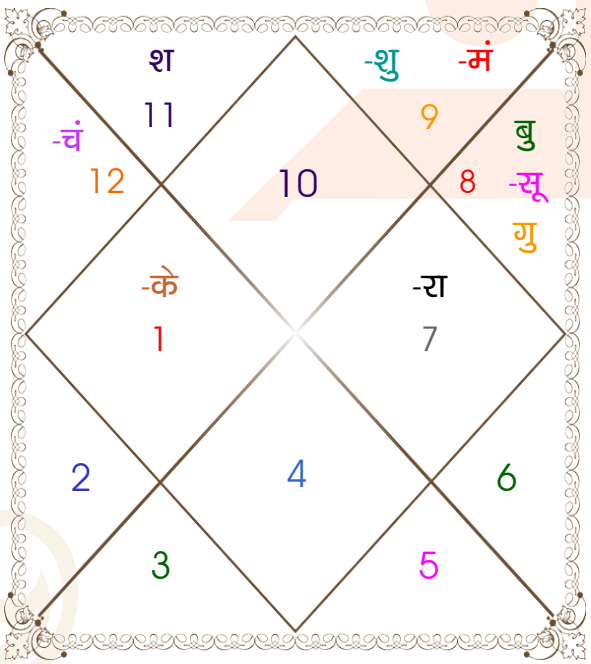

लग्न-चलित

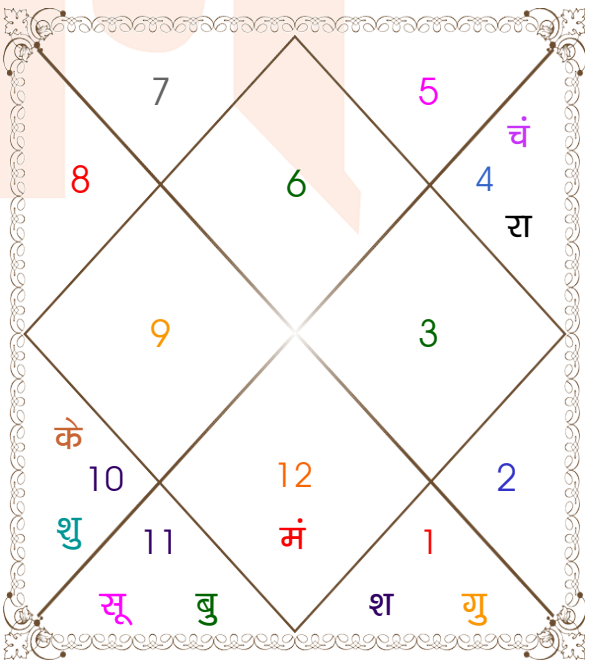

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

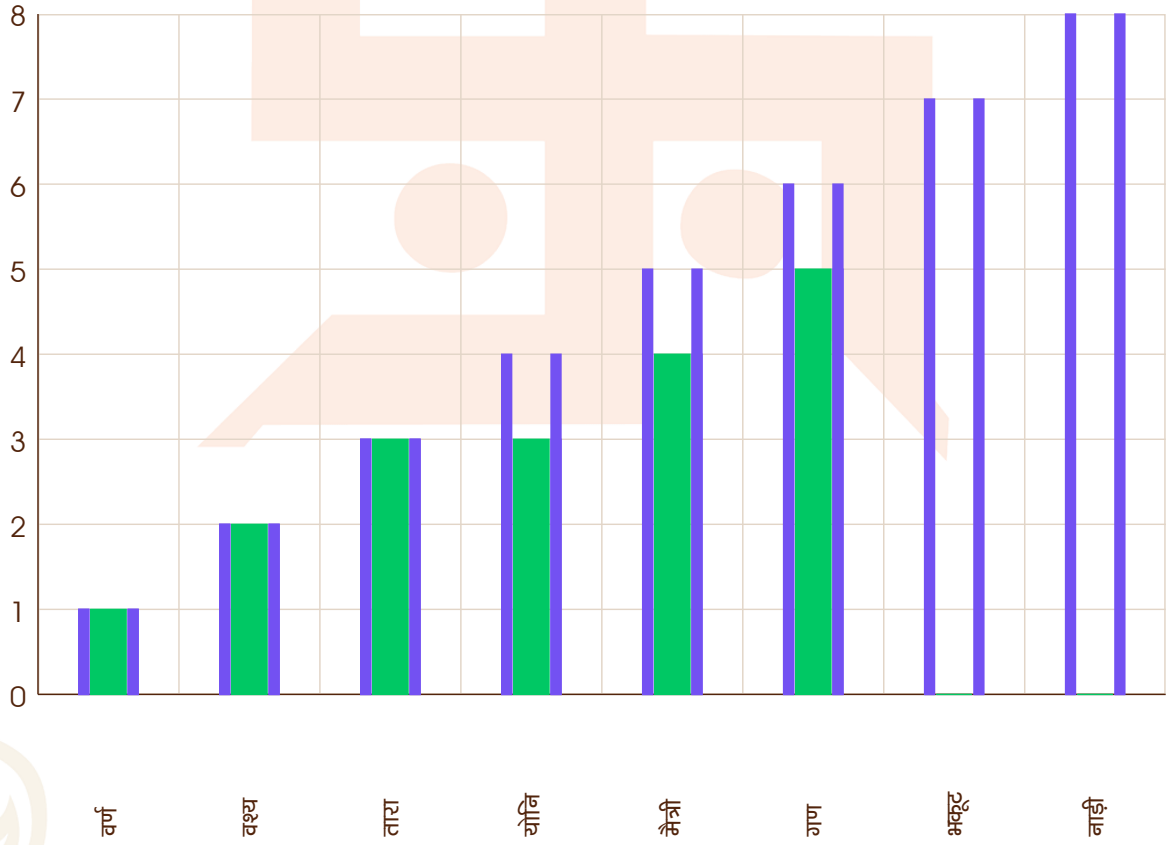

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.I का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.a का वर्ग सर्प है तथा Ms.I का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.a और Ms.I का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.a मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.a कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.I मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.I कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.a तथा Ms.I में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.a का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.l का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Mr.a का वश्य जलचर है एवं Ms.l का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Mr.a की तारा जन्म तथा Ms.l की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.a की योनि गौ है तथा Ms.l की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.a का राशि स्वामी Ms.l के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Ms.l का राशि स्वामी Mr.a के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.a का गण मनुष्य तथा Ms.l का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.l सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Mr.a व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Mr.a अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Mr.a से Ms.l की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Ms.l से Mr.a की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Ms.l को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Mr.a की नाड़ी मध्य है तथा Ms.l की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr.a एवं Ms.l का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.a की राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ms.I की राशि भी जलतत्व युक्त कर्क है। अतः दोनों तत्वों में समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध मधुर होंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.a की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ms.I की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके आपसी संबधों में प्रगाढ़ता होगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम आकर्षण तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण रूप से सहायता तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Mr.a और Ms.I एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः इससे इनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा तथा समय भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.a और Ms.I की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में तनाव मतभेद तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर अंहकार एवं श्रेष्ठता की भावना से वैवाहिक जीवन में कटुता की भावना उत्पन्न होगी। अतः यदि Mr.a और Ms.I सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से कार्य लें तथा उपरोक्त प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो इनका जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr.a और Ms.I दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में सफल होंगे जिससे जीवन सुखमय रहेगा।

Mr.a एवं Ms.I का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताएं समान होंगी तथा धार्मिक शैक्षणिक तथा अन्य सत्कार्यो को करने में प्रवृत होंगे। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा तथा दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

Mr.a और Ms.I दोनों जनम तारा में उत्पन्न हुए है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने- में समर्थ रहेंगे। साथ ही सम भकूट होने के कारण आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा परन्तु Mr.a के लिए मंगल अशुभ होने के कारण किंचित असुविधा वे आर्थिक क्षेत्र में आलस्य के कारण प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु उचित मात्रा में लाभ होने के कारण इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

Mr.a और Ms.l दोनों को पैतृक सम्पति की प्राप्ति होने की प्रबल संभावना होगी जिससे आर्थिक सम्पन्नता भी रहेगी एवं धनऐश्वर्य तथा वैभव से युक्त होंगे। यदा कदा Mr.a की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी लेकिन उससे उनकी धनसम्पन्नता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

स्वास्थ्य

Mr.a और Ms.l एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Mr.a और Ms.l असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.a और Ms.l का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही इनके कन्या एवं पुत्र संततियों की संख्या समान होगी तथा जन्म समय का अंतर भी अनुकूल रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण एवं अन्य कार्य करने में वे समर्थ होंगे।

लेकिन Ms.l को गर्भपात संबधी समस्या का सामना करना पड़ सकता है अतः इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। साथ ही समय समय पर नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण भी करवाने चाहिए। यदि इन बातों का Ms.l पूर्ण रूप से ध्यान रखें तो उपरोक्त समस्या में न्यूनता आ सकती है। लेकिन गर्भपात के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार की प्रसूति चिकित्सा आदि का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देने में Ms.l समर्थ रहेंगी।

Mr.a और Ms.l अपनी संतति से पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी बुद्धिमता योग्यता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। यद्यपि बच्चे माता पिता के प्रति पूर्ण आदर तथा आज्ञा पालन का भाव रखेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे परन्तु पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr.a और Ms.l का पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.l के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त

अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Ms.I को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Ms.I को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Ms.I के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से Ms.I सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Mr.a के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.a अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.a के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.a के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।